सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 6
अंक : 65
जून : 2015

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | स्तर बढ़ाएं

9 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- राजस्थान सरकार ने जयपुर में महिला दूध बैंक जीवनधारा शुरू की
- केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री ने विदेश व्यापार नीति 2015–20 जारी की
- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने यूरिया संयंत्रों के लिए गैस की समान दर को मंजूरी दी

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- वर्ष 2014–15 के दौरान 'स्वच्छ भारत मिशन' लागू करने में गुजरात सबसे आगे
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एयर क्वालिटी इंडेक्स' लॉन्च किया
- आन्ध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने अमरावती को राज्य की नई राजधानी के रूप में मंजूरी प्रदान की

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन देशों फ्रांस, जर्मनी और कनाडा की यात्रा सम्पन्न
- नाइजीरिया में पूर्व सैन्य शासक मुहम्मद बुहारी ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता
- श्रीलंकाई राष्ट्रपति की चीन यात्रा के दौरान पाँच समझौतों पर हस्ताक्षर

31 | खेल खिलाड़ी

- बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराकर 3–0 से वनडे सीरिज जीती

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | कैरियर लेख–भारतीय स्टेट बैंक, बैंक पी.ओ. परीक्षा, 2015 : नए पैटर्न के साथ सामान्य जानकारी

120 | वैज्ञानिक एवं औद्योगिक सम्बन्धी तकनीकी विकास तथा भावी रणनीतियाँ–पर्यवलोकन

122 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

124 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 62 का परिणाम

125 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

40 उत्तराखण्ड पुलिस कॉस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2014

46 उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय ग्रेड 'डी' समूह 'घ' परीक्षा, 2014 (प्रथम पाली)

88 आर.आर.सी. (कोलकाता) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

93 आर.आर.सी. (जबलपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क सम्मिलित लिखित परीक्षा, 2014

100 तर्कबुद्धि

104 English Language

108 संख्यात्मक योग्यता

112 कम्प्यूटर भाषा

115 सामान्य सचेतता

आगामी बिहार की प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष हल प्रश्न

118 बिहार वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

सम्पादक : महेन्द्र जैन

रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572

कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.

स्तर बढ़ाएं

–साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

प्रिय आत्मन्! जीवन में स्तरों को बदलना, अपने ज्ञान के स्तर को बदलना, प्रत्येक व्यक्ति के लिए जरूरी है. जब तक हम पुराने स्तर पर ही प्रतिबद्धित हैं उसी के साथ चिपके पड़े हैं. तब तक हम इस जीवन की गति के साथ गतिशील नहीं हैं, प्रवहमान नहीं हैं, जीवन का धर्म विकास है, प्रगति है, हर पल हर क्षण परिवर्तन है और उस परिवर्तन के साथ जो लोग सजग नहीं हैं वे लोग परिवर्तित नहीं हो पाएंगे और इस कारण से अपने जीवन में एक ही स्थान से चिपके रहेंगे और तब यह सम्भव है कि वह अपनी जिन्दगी से उकता भी जाएं यह सम्भव है. उस प्रतिबद्धता की वजह से उस आम-शक्ति की वजह से राग, द्वेष, कलह, क्लेश के शिकार बन जाएं. वही व्यक्ति राग, द्वेष, कलह, क्लेश से मुक्त रह पाएगा, जो सतत् विकसित हो रहा है. जो सतत् रूप से अपने स्तर को बदल रहा है. परिवर्तन आवश्यक है. एक स्थान पर रुका हुआ पानी भी सड़ने लगता है. परिवर्तन ही जीवन को गति देता है. नई ऊर्जा देता है. चाहे वो भौतिक स्तर हो. जो व्यक्ति नौकरी कर रहा है. वो हर समय यही सोचता है कि कब मेरी प्रोन्नति हो, कब मेरा स्तर बदले, कब मेरा वेतन और ज्यादा बढ़े, तब मैं और अधिक-से-अधिक अपनी कार्यकुशलता को विकसित कर पाऊँ और अपनी कार्यकुशलता का सदुपयोग कर पाऊँ. स्तर बदलने की भावना उसमें रहती ही है. अगर बहुत सालों तक वो एक ही कुर्सी पर, एक ही तरह के काम को, एक ही तरीके से करता रहे और अपने आप के स्तर को विकसित न करे, तो बहुत सम्भव है कि वो व्यक्ति बुढ़ापा आने से पहले ही बूढ़ा हो जाएगा और मृत्यु के करीब आ जाएगा. वह शरीर में भी अनेक तरह की बीमारियों को पाल लेगा. हम लोग सदा विकसित होने के लिए इस दुनिया में हैं, हम लोग सतत् योग्य होने के लिए इस दुनिया में हैं. योग्यता और विकास ये दोनों ही उसी व्यक्ति में सम्भव हो पाते हैं, जो अपने आपके स्तर को सुधारने के लिए सतत् जाग्रत हैं, सजग हैं. हम सतत् सजग बनें. हाँ इसके लिए साहस चाहिए. साहस चाहिए पुराने को छोड़ने का, साहस चाहिए नए का स्वागत करने का, साहस चाहिए जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने का. हर दिन में चुनौतियाँ आएंगी, ताकि हम नए रास्तों को खोज सकें, नए रास्तों में प्रवेश कर सकें. इन चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ने वाला साहसी व्यक्ति ही बुद्धिमत्ता को उपलब्ध होगा, लेकिन जो व्यक्ति चुनौतियों को स्वीकार करने से डरता है, डरपोक है. वह व्यक्ति कभी अपनी जीवन की बुद्धिमत्ता को उपलब्ध नहीं हो पाएगा, न ही उसकी प्रज्ञा कभी गहरी हो पाएगी, न ही उसकी अन्तर चेतना सतत् स्फुरित रह पाएगी, इसीलिए साहस को जगाना जरूरी है. लोक प्रशासन में 'कार्य समृद्धिकरण' (Job Enrichment) तथा 'कार्य विस्तारण' (Job Enlargement) के दो सिद्धान्त हैं जो सेवाकर्मियों को अधिक ऊर्जावान, अधिक कर्तव्यनिष्ठ बनाए जाने के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं. कार्य समृद्धिकरण के अन्तर्गत प्रबन्धतन्त्र सेवाकर्मियों को अतिरिक्त उत्तरदायित्व, जो सामान्यतया उनसे ऊपर के स्तर के सेवाकर्मियों द्वारा निष्पादित किए जाते रहे हैं, सौंपकर उन्हें स्वयं से ही अधिक कार्य करने के लिए अभिप्रेरित करते हैं, जबकि कार्य विस्तारण का सम्बन्ध किसी सेवाकर्मी को और अधिक चुनौतीपूर्ण दायित्व सौंपे जाने से ही. दोनों ही विधियों में सेवाकर्मी इस भावना से अभिप्रेरित होते हैं कि ''सेवायोजक ने उनकी योग्यता को परखा है.'' पुराने को छोड़कर नई चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हरेक व्यक्ति में जागे, उसके लिए उसमें आत्मविश्वास भी जरूरी है. आत्मविश्वास से लबरेज़ इंसान के मुखमण्डल पर एक अनूठी आभा होती है, जीवन्तता होती है. वह स्वयं के भीतर इष्ट को समाहित किए जीता है. वह सुरक्षा व सुविधाओं का दास नहीं बनता वरन् असुरक्षा में सुरक्षित जीना जानता है.